UNIT-I

CC-14 - M.A. (SEM-3), Session-2021-23

RESTORATION

1660 चार्ल्स द्वितीय के पुनरागमन के साथ रेस्टोरेशन हुआ, जिससे साम्राज्यवादी शासन पुनर्स्थापित हुआ। इस बार राजा और पार्लियामेंट के बीच संबंधों में कुछ सुधार तैयार की गई जिससे संविधानीय सामंजस्य बना रह सकता था।

पुनर्स्थापना, 1660 में इंग्लैंड में राजशाही की बहाली। इसने ओलिवर क्रामवेल के राष्ट्रमंडल की अवधि के बाद राजा (1660-1685) के रूप में चार्ल्स द्वितीय की वापसी को चिह्नित किया। बिशपों को संसद में बहाल किया गया जिसने सख्त एंग्लिकन रूढ़िवाद स्थापित किया। चार्ल्स द्वितीय (1660-1685) के शासनकाल के वर्षों के अंग्रेजी इतिहास के रूप में जाना जाता है पुनर्स्थापना अवधि। उनकी राजनीतिक अनुकूलनशीलता अपने देश को चलाने में सक्षम बनाया।

इंग्लैंड रिवोल्यूशन (1642-1651) ने स्थापित सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों के माध्यम से इंग्लैंड की साम्राज्यवादी व्यवस्था को चुनौती दी। यह विशेषकर पार्लियामेंट और राजा के बीच शक्ति के संबंधों के समर्थन में एक संघर्ष था। राजा चार्ल्स के खिलाफ हुई युद्ध के बाद, पार्लियामेंट ने राजनीतिक बदलाव को प्रमोट किया और राजनीतिक स्वतंत्रता की मांग की।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept of History
M.A. (SEM-3); Session-2021-23
06-02-2024
Class- 2. (Second)
S. B. College, Ara